आर्टिस्ट्स को सोशल मीडिया से जोड़ रही है अकादमी

राजस्थान ललित कला अकादमी ने तैयार की एनुअल प्लानिंग, बजट बढ़ाने की भी तैयारी

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● प्रदेशभर के कलाकारों को जोड़ने और कला क्षेत्र से जुड़ी जानकारियों को शेयर करने के लिए राजस्थान ललित कला अकादमी ने सोशल मीडिया को जरिया बनाया है। अकादमी से जुड़ी छोटी से छोटी जानकारी और भविष्य की योजनाएं कलाकारों को अब फेसबुक के जरिए मिल सकेंगी। चेयरमैन की नियुक्ति के बाद से अकादमी ने एनुअल कैलेंडर को तैयार कर लिया है। अकादमी के प्रमोशन से लेकर इवेंट्स और रेगुलर एक्टिविटीज की रूपरेखा बना ली है। फेसबुक पर अकादमी का ऑफिशियल पेज बनने से कलाकारों को विभिन्न प्रतियोगिताओं के फॉर्म और वेबसाइट के लिंक भी मिल जाएंगे, जिससे जानकारी सीधे तौर पर उपलब्ध हो सकेगी। यहां तक कि कलाकार सोशल मीडिया पर अकादमी से जुड़ी समस्याओं और सुझावों को भी भेज सकेंगे, जिस पर अकादमी प्रशासन तुरंत निर्णय भी लेगा।

स्कूली स्टूडेंट्स के लिए वर्कशॉप

अकादमी की ओर से ललित कला विषय से जुड़े सरकारी स्कूलों के लिए भी वर्क्शॉप करने की प्लानिंग है, जिसके तहत देशभर के आर्टिस्ट्स स्टूडेंट्स से रूबरू होंगे और विभिन्न कलाओं को लाइव प्रदर्शन करेंगे। साथ ही स्टूडेंट्स को अकादमी में विजिट के लिए जोड़ा जाएगा, जिससे यहां आयोजित होने वाले इवेंट्स में उनकी भागीदारी बढ़ सके।

फॉरेनर्स का बढ़ाया जाएगा फुटफॉल

अकादमी के चेयरमैन डॉ. अश्विन दलवी ने कहा कि अकादमी परिसर में लोगों का फुटफॉल बढ़ाने के लिए विशेष प्लानिंग की जा रही है। टूरिज्म डिपार्टमेंट्स के इवेंट कैलेंडर में अकादमी के प्रोग्राम्स को भी शामिल करवाने की योजना है, ताकि विदेशी टूरिस्ट्स का फुटफॉल बढ़ सके। प्रदेशभर के गाइड्स को भी अकादमी के इवेंट्स से रूबरू कराया जाएगा, ताकि वे भी टूरिस्ट्स को यहां विजिट करवा सकें। नियमित एग्जीबिशन के साथ, स्पेशल वर्कशॉप और कैम्प प्लान किए जा रहे हैं। मोमासर फेस्टिवल में भी अकादमी की ओर से पांच चित्रकार भेजे जा रहे हैं।

बनाया जा रहा है गैलरी पैनल

अकादमी की तीन गैलरियों में ज्यादा से ज्यादा कला प्रदर्शित करने के लिए भी प्रशासन ने विशेष प्लानिंग की है। अकादमी प्रदेश के सीनियर और क्रिएटिव आर्टिस्ट्स का एक पैनल तैयार कर रहा है, जिनकी सोलो और ग्रुप एग्जीबिशन 15 दिन से एक महीने के लिए गैलरी में आयोजित करने की तैयारी है। पैनल में लगभग 50 कलाकार शामिल होंगे, जिन्हें समय-समय पर कला का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। यह कलाकारों के लिए निःशुल्क होगा। साथ ही हर महीने आर्ट फिल्म की स्क्रीनिंग भी योजना का अहम हिस्सा है। इसके लिए देशभर की अकादमियों और फिल्म सेंटर्स से देश-विदेश के आर्टिस्ट्स और कलाओं पर बनी फिल्मों को स्क्रीनिंग के लिए मंगवाया जाएगा।

पं. जसराज के साथ मंच साझा करेंगी गिरिजा देवी

27 अक्टूबर से आयोजित होगा तीन दिवसीय एमटीवी इंडिया म्यूजिक समिट

जयपुर ● पिंकसिटी में जाने-पहचाने म्यूजिशियंस हिन्दुस्तानी, क्लासिकल, जैज, फोक, डिवोशनल, इलेक्ट्रॉनिक और अन्य जोनर के म्यूजिक के साथ नजर आएंगे। मौका होगा, 27 अक्टूबर से होटल फेयरमॉन्ट में शुरू होने वाले एमटीवी इंडिया म्यूजिक समिट का। पत्रिका डॉट कॉम पैट्रन तीन दिवसीय समिट में 50 से ज्यादा म्यूजिशियंस हिस्सा लेंगे। इसमें पं. जसराज और गिरिजा देवी पहली बार एक साथ मंच साझा करेंगे और सेशन में प्रसून जोशी के साथ अनुभव शेयर करेंगे। वर्ल्ड फेमस जेफ भास्कर स्पेशल कीनोट सेशन को एड्रेस करेंगे। प्लेबैक सिंगर हरिहरन, शास्त्रीय गायिका कौशिकी चक्रवर्ती, सितारवादक सुजात खान, बांसुरी वादक अजय प्रसन्ना भी एक स्टेज पर नजर आएंगे। समिट में जैज म्यूजिक के साथ वसुंधरा वे परफॉर्म करेंगी। अर्ली मॉर्निंग आयोजित होने वाले डिविनिटी सेशन के साथ स्पेशल गुरुबानी सेशन में बीबी अशुप्रीत कौर और उनकी बहन परफॉर्म करेंगी। मॉर्निंग जुगलबंदी में सुजात खान और अजय प्रसन्ना म्यूजिक लवर्स के सामने प्रस्तुति देंगे। समिट में क्लासिकल प्रस्तुतियों के तहत सिंगर राशिद खान ठुमरी के लब्धप्रतिष्ठित गायक पं. छन्नूलाल मिश्र के साथ मंच साझा करेंगे। सैकंड की-नोट में कर्नाटक म्यूजिक के चर्चित नाम टीएम कृष्णा एक्सपीरियंस शेयर करेंगे।

स्पेस सेविंग फर्नीचर की बढ़ी डिमांड

जयपुराइट्स में अब रिसोर्स फर्नीचर का ट्रेंड

FESTIVE Front

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● स्मार्ट होम्स के बढ़ते ट्रेंड ने स्मार्ट फर्नीचर भी इंट्रोड्यूस करने शुरू कर दिए हैं। यही वजह है कि जयपुराइट्स फेस्टिव सीजन में ऐसे फर्नीचर की डिमांड करने लगे हैं, जो मल्टीपर्पज के साथ घर को स्मार्ट बना सकें। फेस्टिव सीजन में अब ऐसे फर्नीचर इंट्रोड्यूस हो रहे हैं, जिन्हें कई तरीकों से इस्तेमाल किया जा सकता है। मसलन, स्टडी टेबल, वॉर्डरोब को फोल्ड कर बेड बनाया जा सके, मॉड्यूलर किचन को डाइनिंग टेबल की तरह इस्तेमाल किया जा सके या चेयर को लैडर की तरह इस्तेमाल किया जा सके। ये खास तरह के फर्नीचर 'रिसोर्स फर्नीचर' कहे जा रहे हैं, जिन्हें स्पेस सेविंग फर्नीचर के तौर पर भी जाना जाता है।

बिग स्टोरेज

खास बात यह है कि इन फर्नीचर में बिग स्टोरेज स्पेस को पसंद किया जा रहा है। मसलन ट्रंडल बेड का ऑप्शन लें या मॉड्यूलर वॉर्डरोब्स, इन सभी में लोगों को बिग स्टोरेज मिल रहा है। जिसका इस्तेमाल वे अपनी चीजों को सहेजने में कर सकते हैं। एक फर्नीचर स्टोर की ओनर रमा शर्मा का कहना है कि स्पेस की कमी के कारण ये ऑप्शन पसंद किए जा रहे हैं। आने वाला समय इन्हीं फर्नीचर का है, जिसमें जगह का यूटिलाइजेशन हो। इंटीरियर डिजाइनर सतीश वायुवेघला का कहना है कि अब ऐसे फर्नीचर को पसंद किया जा रहा है, जिन्हें सिंपल फंक्शनल के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। दरअसल, अब लोग स्पेस और टेक्नोलॉजी को लेकर कॉन्शस हो गए हैं। वे अब ऐसे फर्नीचर पसंद कर रहे हैं जिनकी मेंटीनेंस कॉस्ट कम आए और वे कम बजट में हों। वहीं टेक्नोलॉजी के बढ़ते इम्पैक्ट ने भी इसमें नए इनोवेशन किए हैं, जिससे कस्टमर की चॉइस के अकॉर्डिंग इन्हें कस्टमाइज कराया जा सकता है। इससे न सिर्फ यूटिलिटी बढ़ी है, बल्कि कॉम्पैक्ट स्पेस में उन्हें बेहतरीन ऑप्शन भी मिले हैं।

उच्च शिक्षा के लिए ब्रिटेन में बेहतर मौका

Interaction

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● ब्रिटेन और भारत के बीच एजुकेशन सिस्टम को बेहतर करने के लिए दोनों देशों की सरकारें बेहतर प्रयास कर रही हैं। भारतीय स्टूडेंट को ब्रिटेन में पढ़ने के लिए अच्छे मौके हैं और सरकार ने इसके लिए वीजा नियमों को सरल बनाया है। ये बात शुक्रवार को राजस्थान पत्रिका कार्यालय पहुंचे भारत में ब्रिटेन के उप उच्चायुक्त (अहमदाबाद) जैफ वैन ने कही। उन्होंने कहा कि भारत से हर साल बीस हजार से अधिक स्टूडेंट ब्रिटेन में उच्च शिक्षा के लिए जा रहे हैं। अब कोशिश ये है कि पच्चीस हजार ब्रिटिश स्टूडेंट भी भारत आकर पढ़ाई पूरी करें और यहां की सभ्यता और संस्कृति को करीब से जानें, जिससे दोनों देशों के रिश्ते और बेहतर होंगे। स्कॉलरशिप प्रोग्राम के लिए भी काम चल रहा है और जिससे छात्रों को रोजगार परक बनाया जा सके। स्टूडेंट वीजा नियमों पर उन्होंने स्पष्ट कहा कि इसमें सख्ती की गई है जिससे कोई छात्र फर्जी कॉलेजों के जाल में न फंसे। इससे पहले देखा जा रहा था कि पढ़ाई के लिए ब्रिटेन जाने वाले चालीस फीसदी छात्र गलत कॉलेजों में फंस जाते थे, जिससे उनका कॅरियर खराब होता था। इसकी जानकारी के बाद ब्रिटेन में ऐसे कॉलेजों को बंद कराया गया। यूरोपियन यूनियन से बाहर निकलने की कानून प्रक्रिया पूरी होने के बाद दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट के तहत व्यापार को बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच बेहतर तालमेल है और हर स्तर पर दोनों देश एक साथ आगे बढ़ रहे हैं। दोनों देशों के बीच व्यायार को लेकर उन्होंने कहा कि तेजी से काम चल रहा है और कई ब्रिटिश कंपनियां भारत में काम कर रही हैं। जयपुर में कई यूके कंपनियां है जो फर्नीचर की डिजाइनिंग का काम बड़े पैमाने पर कर रही है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है और इस दृष्टि से ब्रिटेन के व्यापारियों के लिए यहां बेहतर मौका है। दोनों देशों के बीच रक्षा, सुरक्षा और आतंकवाद को लेकर भी बेहतर रणनीति है। इस दौरान उप उच्चायुक्त की रीजनल एडवाइजर मालती जैन भी मौजूद रहीं।

शिष्यों ने किया गुरु को नमन

रवीन्द्र मंच मुख्य सभागार में 'गुरु नमन' कार्यक्रम आयोजित

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● रवीन्द्र मंच के मुख्य सभागार में शुक्रवार शाम गीतांजलि म्यूजिक सोसायटी की ओर से आयोजित 'गुरु नमन' कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत और नृत्य की धारा बही।

कार्यक्रम में संस्था के 1981 से 2017 तक के शिष्यों ने अपनी गुरु डॉ. शशि सांखला को ताम्रपत्र व श्रीफल देकर अभिनन्दन किया। कार्यक्रम की शुरुआत में आयरा कपूर, लावण्या ग्रोवर, दीया अग्रवाल और साथी टीम ने गणेश वंदना पर बेहतरीन प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। इसके बाद अन्विता चौधरी, इशिता गौड़, सिद्धि चटर्जी आदि ने मुकुन्दा कथक की प्रस्तुति देकर उपस्थित लोगों से तालियां बटोरी। कार्यक्रम में पं. गिरधारी महाराज और डॉ. गीता रघुवीर ने भी डॉ. सांखला को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका सम्मान किया।

अगली कड़ी में तराना, दशावतार, भजन, सूफी, एवं रितु चक्र की प्रस्तुति दी गई। ग्रुप डांस में रंग दे मोरी चुनरिया और मेरा मुर्शिद खेले होली ने भी वाहवाही लूटी। कार्यक्रम में संगीत जगत की कई हस्तियां मौजूद रहीं।

CITY LIVE

एक साल में 90 लापता को परिवार से मिलाया

सरकारी कर्मचारी ने चलाया 'लॉस्ट एंड फाउंड पर्सन अभियान'

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● बिछुड़े हुए लापता व्यक्तियों को परिवारों से मिलाने का कार्य कर रहा है 'लॉस्ट एंड फाउंड पर्सन' अभियान। इस अभियान के शुरुआती पहले वर्ष में

ही अब तक करीब 90 लोगों को उनके परिवार से मिलवाने में सफलता हासिल की है। अभियान के संस्थापक हैं जयपुर निवासी राहुल शर्मा। सचिवालय के मुख्यमंत्री कार्यालय में कार्यरत राहुल शर्मा बताते हैं कि इस अभियान का उद्देश्य लापता व्यक्तियों को उनके परिवार से मिलाना है। अभियान का नेटवर्क देशभर में फैला हुआ है। खास बात यह है कि आमतौर पर जहां सोशल मीडिया पर बिना किसी प्रमाणिकता के लापता और लावारिस के मैसेज वायरल होते रहते हैं, इस नेटवर्क के माध्यम से उनकी सत्यता की जांच भी की जाती है। अभियान से जुड़ने के लिए इसकी वेबसाइट पर आकर स्वयं को वॉलेंटियर के रूप में रजिस्टर कर सकते हैं। अभियान के फेसबुक और ट्विटर अकाउंट को फॉलो कर सकते हैं। गौरतलब है कि हाल ही राज्य स्तरीय समारोह में उन्हें सम्मानित भी किया है।

यह है कार्यप्रणाली

देश में लावारिस या लापता व्यक्तियों का डेटाबेस वेबसाइट की सहायता से एक प्लेटफॉर्म पर एकत्र किया जाता है। फिर फोटो मैचिंग, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत प्रयासों के माध्यम से बिछुड़े लोगों को उनके परिवार से मिलाने का प्रयास किया जाता है। इस अभियान की सफलता को देखते हुए राजस्थान पुलिस और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने अधिकृत रूप से मान्यता दी है। साथ ही अधिकारियों को भी निर्देश जारी किए हैं कि उनके संज्ञान में आने वाले लापता या लावारिस व्यक्ति का विवरण इस अभियान की वेबसाइट पर दर्ज किया जाए।

चाचा गुम हुए तो आया विचार

वर्ष 2016 में ग्राम हिंडौन से आए चाचा ससुर जयपुर रेलवे स्टेशन से गुम हो गए। करीब 72 घंटों तक घर गए बिना राहुल और उनका परिवार उन्हें ढूंढ़ता रहा, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। पुलिस ने गुमशुदगी तो दर्ज कर ली, लेकिन सकारात्मक सहायता नहीं की। करीब सप्ताहभर बाद यह खयाल आया कि जिन लोगों के परिवार के सदस्य गुम हो जाते हैं, वे कितनी पीड़ा भोगते हैं। वहीं जो व्यक्ति खोया है, वह बुजुर्ग, मंदबुद्धि, निरक्षर या बालक है तो खुद भी परेशान होगा। यही सोचकर शुरुआत में वॉट्सएप ग्रुप बनाया। इस पर लापता लावारिस की जानकारियां डाली तो लोग जुड़ते चले गए। सदस्य संख्या पूरी हो गई तो दूसरा ग्रुप बनाना पड़ा। वर्तमान में ऐसे चार ग्रुप चल रहे हैं। इनमें अधिकारी, जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी, सरकारी कर्मचारी सहित समाज के सभी वर्गों के लोग सदस्य हैं।

जीएसटी है भारत का भविष्य

आरयू में हुआ पैनल डिस्कशन

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● राजस्थान यूनिवर्सिटी में इकोनॉमिक्स डिपार्टमेंट और नीति आयोग चेयर की ओर से शुक्रवार को गुड एंड सर्विस टैक्स पर पैनल डिस्कशन कार्यक्रम आयोजित हुआ। 'जीएसटी इश्यू एंड चैलेंज' विषय पर हुई इस चर्चा में जीएसटी के संयुक्त निदेशक पंकज घीया ने बताया कि देश को जीएसटी जैसे कर सुधार की जरूरत क्यों पड़ी। इस दौरान उन्होंने जीएसटी, सीजीएसटी और एसजीएसटी की जानकारी दी। साथ ही जीएसटी की विभिन्न दरों और इनपुट क्रेडिट पर चर्चा करते हुए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि जीएसटी बिग बैंग सुधार है और भारत का भविष्य है। नीति आयोग चेयर प्रो. विजय वीर सिंह ने बताया कि जीएसटी निःसंदेह एक अच्छा सुधार है, जो दीर्घकाल में आर्थिक वृद्धि को बढ़ाएगा, लेकिन इसके सरलीकरण की आवश्यकता है। साथ ही जीएसटी दरों को कम करना आवश्यक है। कार्यक्रम में डिपार्टमेंट की फैकल्टी से साथ स्टूडेंट्स ने भी पार्टिसिपेट किया।

महाराणा प्रताप सभागार में आयोजित हुआ सम्मान समारोह

साहित्यकारों को किया सम्मानित

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● द्वारका सेवा निधि संस्था की ओर से शुक्रवार को महाराणा प्रताप सभागार में 27वां द्वारका सेवा निधि साहित्यकार सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शुरुआत भजन संध्या हुई, जिसमें राजश्री सेमन्त और संजय रायजादा ने गणेश वंदना के साथ ही महावीर प्रसाद जोशी रचित रामायण और अन्य भजनों की प्रस्तुति दी। समारोह में साहित्यकार एवं कलाविद् विजय शर्मा को वैद्य महावीर प्रसाद जोशी प्रज्ञा पुरस्कार, साहित्यकार जया गोस्वामी को

साहित्य सृजन के लिए जावित्री देवी जोशी प्रतिभा पुरस्कार, झालावाड़ के कवि रघुराज सिंह हाड़ा को वैद्य पं. ब्रजमोहन जोशी-मन्नी देवी जोशी राजस्थानी साहित्य पुरस्कार और जोधपुर के युवा साहित्यकार सत्यदेव संवितेन्द्र को एडोल्फ-मान्दालेना हैनी साहित्य पुरस्कार दिया गया। इन्हें पुरस्कार स्वरूप चांदी का श्रीफल, प्रशस्ति पत्र और नकद राशि प्रदान की गई।

कृतित्व से कराया रूबरू

द्वारका सेवा निधि के सचिव चन्द्रकान्त जोशी ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि भारत स्वाभिमान आन्दोलन के संस्थापक संरक्षक के. एन. गोविन्दाचार्य थे और अध्यक्षता राजस्थान संस्कृत अकादमी के पूर्व अध्यक्ष देवर्षि पं. कलानाथ शास्त्री ने की। इस दौरान के. एन. गोविन्दाचार्य ने अपने व्याख्यान में वैद्य महावीर प्रसाद जोशी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। समारोह में नयन जोशी, जयन्त जोशी, नलिन जोशी, अविनाश जोशी आदि मौजूद थे।

ANCHOR

लाइफस्टाइल एग्जीबिशन में बिखरे फेस्टिव कलर्स

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

जयपुर ● कोई होम डेकोरेटिव आइटम्स को खरीद रहा था, तो कोई डिजाइनर्स आउटफिट्स पसंद कर रहा था। यही नहीं, कोई अपने लुक को डिफरेंट दिखाने के लिए ट्रेडिशनल और आर्टिफिशियल ज्वैलरी को ट्राय कर रहा था। ऐसा नजारा शुक्रवार को एसएमएस कन्वेंशन सेंटर में शुरू हुई दो दिवसीय 'एस्पिरशन' एग्जीबिशन में दिखा। इसमें फैशन और लाइफस्टाइल से रिलेटेड कई वैरिएशन देखने को मिले, जिसने लोगों को अट्रैक्ट किया। यहां गर्ल्स सेक्शन के साथ किड्स सेक्शन भी है। इसमें किड्स के लिए एलिगेंट एंड डिफरेंट डिजाइन के आउटफिट्स अवेलेबल है, जो किड्स के लिए अट्रैक्शन बने हुए हैं।

डिजाइनर्स आउटफिट्स की डिमांड

एग्जीबिशन में आई गर्ल्स में डिजाइनर्स आउटफिट्स की डिमांड देखने को मिली। इन आउटफिट्स में मिरर वर्क, बंधेज व एम्ब्रॉयडरी का वर्क किया गया है। विजिटर्स का कहना है कि एग्जीबिशन में कई ऐसे कलेक्शन हैं, जिनकी डिजाइन पहली बार देखने को मिली। इनमें राजस्थानी टच देने की भी पूरी की गई।

जहां गर्ल्स और बच्चे अपने लिए डिजाइनर्स कॉस्ट्यूम पर फोकस कर रहे थे, वहीं महिलाओं का केवल होम डेकोरेटिव आइटम्स पर फोकस था। विजिटर्स घर को नया लुक देने के लिए डेकोरेटिव आइटम्स को खरीद रहे हैं।

इंडो-वेस्टर्न का अट्रैक्शन

जयपुर. एथनिक आउटफिट्स और पेस्टल कलर्स में डिफरेंट डिजाइंस का अट्रैक्शन शुक्रवार को तीन दिवसीय एथनिक एग्जीबिशन में देखने को मिला। सी-स्कीम स्थित केके स्क्वायर में आयोजित इस एग्जीबिशन में ज्यादातर एथनिक, इंडो-वेस्टर्न और ब्राइडल कलेक्शन को डिस्प्ले किया है। आउटफिट्स में पेस्टल कलर्स के यूज ने इसे खास बनाया। विरेंद्र जैन ने बताया कि एग्जीबिशन में एसिड ग्रीन, एयर फोर्स ब्लू और व्हाइट एंड कॉपर जैसे आउटफिट्स को भी डिस्प्ले किया गया। साथ ही इंडो-वेस्टर्न पैटर्न के भी डिफरेंट डिजाइंस पेश किए गए।